ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, मंगलवार 5 मार्च 2024
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 1 अंक 2

राजस्थान में मंत्रिमंडल विस्तार की आहट

24 न्यूज अपडेट.उदयपुर
desk24newsupdate@gmail.com

जयपुर। राजस्थान में लोकसभा चुनाव से पहले भजनलाल सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार तय है। भाजपा हालांकि सभी सीटें जीतने को आश्वस्त है मगर इंडिया गठबंधन के बाद की परिस्थितियों से निपटने और कोई कोर कसर बाकी नहीं रखने के लिए जातीय और क्षेत्रीय समीकरण साधने का प्रयास किया जा रहा है। केन्द्रीय नेतृत्व से हरी झंडी मिलने का इंतजार किया जा रहा है जिसके बाद मंत्रिमंडल विस्तार होने की उम्मीद है। मंत्रिमंडल विस्तार में तीन से चार मंत्री बनाए जा सकते हैं। भजनलाल सरकार में फिलहाल सीएम, दो डिप्टी सीएम को मिलाकर कुल 24 मंत्री हैं। कोटे के हिसाब से 30 मंत्री बन सकते हैं, ऐसे में छह मंत्रियों की जगह खाली है। सियासी समीकरणों के हिसाब से विस्तार में तीन मंत्री बनाकर तीन जगह खाली रखी जा सकती है।

दीप्ति माहेश्वरी और बाबा बालकनाथ बन सकते हैं मंत्री

भजनलाल सरकार में अभी कोई यादव मंत्री नहीं है, ऐसे में जसवंत यादव और बाबा बालकनाथ में से एक को मंत्री बनाया जा सकता है। नहरी क्षेत्र के श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों से गुरवीर बराड़ का नाम दावेदारों में है। पहले श्रीकरणपुर उपचुनाव के बीच सुरेंद्र पाल सिंह टीटी को मंत्री बनाया था, लेकिन उपचुनाव हारते ही टीटी ने इस्तीफा दे दिया, अभी श्रीगंगारनगर-हनुमानगढ़ जिलों से कोई मंत्री नहीं है। वैश्य समाज से अभी केवल एक मंत्री है, यह वर्ग बीजेपी का परंपरागत वोटर है। हमेशा से दो से तीन मंत्री बनते आए हैं, वैश्य समाज से दीप्ति माहेश्वरी, प्रताप सिंह सिंघवी, कालीचरण सराफ के नाम दावेदारों में है। सिंधी समाज से हर बार मंत्री बनता है, लेकिन इस बार नहीं बनाया गया है। सिंधी समाज से श्रीचंद कृपलानी दावेदार हैं। बांसवाड़ा-डूंगरपुर से भी एक मंत्री बनाया जा सकता है।

16 जिलों से मंत्रिमंडल में नहीं है कोई प्रतिनिधित्व

सीएम ने की राज्यपाल से मुलाकात

सीएम भजनलाल शर्मा ने सोमवार दोपहर बाद राज्यपाल कलराज मिश्र से मुलाकात की। राज्यपाल से सीएम की इस मुलाकात को मंत्रिमंडल में फेरबदल या बड़ी राजनीतिक नियुक्तियों से जोड़कर देखा गया है। हालांकि राजभवन और सीएमओ ने इस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया है। सीएम और राज्यपाल के बीच शिष्टाचार मुलाकातें होती रहती हैं।

भीलवाड़ा, राजसमंद, बांसवाड़ा, डूंगरपुर से कोई मंत्री नहीं

भजनलाल सरकार में अभी 17 जिलों से सीएम को मिलाकर 24 मंत्री हैं। अब भी 16 जिले ऐसे हैं, जहां से कोई मंत्री नहीं है। जिन 16 जिलों से कोई मंत्री नहीं बना। उनमें कुल 75 सीटें आती हैं। इनमें से 36 सीटें बीजेपी ने जीती हैं। इसकी वजह से अलग-अलग इलाकों में नाराजगी के सुर उठने शुरू हो गए हैं। बारां, झालावाड़, बूंदी, धौलपुर, हनुमानगढ़, झुंझुनूं, चूरू, भीलवाड़ा, राजसमंद, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, करौली, दौसा, जैसलमेर, जालौर, श्रीगंगानगर जिलों से कोई मंत्री नहीं है। हालांकि बूंदी और धौलपुर से बीजेपी से कोई विधायक जीतकर नहीं आया। जिन 16 जिलों से बीजेपी ने कोई मंत्री नहीं बनाया, उनमें 8 जिलों में गहलोत सरकार में 12 मंत्री थे। कांग्रेस राज के दौरान बारां से प्रमोद जैन भाया, बूंदी जिले से अशोक चांदना, झुंझुनूं जिले से बृजेंद्र ओला और राजेंद्र गुढ़ा, भीलवाड़ा से रामलाल जाट, बांसवाड़ा से महेंद्रजीत मालवीय और अर्जुन बामणिया, करौली जिले से रमेश मीणा, दौसा जिले से परसादीलाल मीणा, मुरारी मीणा, ममता भूपेश, जैसलमेर जिले से शाले मोहम्मद मंत्री थे। जयपुर जिले से सीएम, दो डिप्टी सीएम और एक कैबिनेट मंत्री हैं, जबकि भीलवाड़ा, राजसमंद जैसे बीजेपी के गढ़ माने जाने वाले जिलों में कोई मंत्री नहीं है। नहरी क्षेत्र के दो जिलों और शेखावाटी के तीन जिलों में मिलाकर 31 विधानसभा और 4 लोकसभा सीटें हैं। विधानसभा चुनावों में 31 सीटों में से बीजेपी केवल 9 सीटें ही जीती है। शेखावाटी और नहरी क्षेत्र में सियासी संतुलन के लिए दो मंत्री बनाए हैं। नहरी क्षेत्र की सीट करणपुर से सुरेंद्रपाल सिंह टीटी को चुनाव के बीच मंत्री बनाया था लेकिन उपचुनाव हारने के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। शेखावाटी के सीकर-झुंझुनूं और चूरू को मिलाकर तीन जिलों से एक मंत्री बनाया गया है।

डूंगरपुर-बांसवाडा से उम्मीद

वागड़ के तीन जिलों बांसवाड़ा, डूंगरपुर और प्रतापगढ़ में कुल 11 सीटें हैं। इनमें बीजेपी ने केवल तीन सीटें ही जीती हैं। भारतीय आदिवासी पार्टी (बीएपी) के बढ़ते दबदबे को देखते हुए यहां बीजेपी के लिए चुनौती है। प्रतापगढ़ से हेमंत मीणा को मंत्री बनाया, लेकिन इसका बांसवाड़ा और डूंगरपुर पर असर नहीं होता। ऐसे में डूंगरपुर और बांसवाड़ा से एक मंत्री बनाए जाने की उम्मीद है। हालांकि बीजेपी ने कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री महेंद्रजीतसिंह मालवीय को पार्टी में शामिल कर इस इलाके के सियासी समीकरण को अपने पक्ष में करने का प्रयास किया है। मालवीय को बांसवाड़ा-डूंगरपुर लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है।

क्षेत्रीय-जातीय संतुलन बनाना जरूरी

जिस इलाके से मंत्री बनते हैं। वहां सियासी रूप से पार्टी को फायदा होता है। लोकसभा चुनावों की ताजा चुनौती से पार पाने के लिए कमजोर इलाकों को साधने की रणनीति के तहत मंत्रिमंडल विस्तार भी एक रणनीति का हिस्सा हो सकता है। जिन जातियों और क्षेत्रों से मंत्री नहीं हैं उन्हें मौका देकर समीकरण पक्ष में किए जाने का प्रयास हो सकता है।

बीजेपी की दूसरी लिस्ट में आएंगे 10 प्रत्याशियों के नाम

6 सीटों पर बदल सकती है उम्मीदवार, महिलाओं को भी मिलेगी प्राथमिकता

24 न्यूज अपडेट.उदयपुर
desk24newsupdate@gmail.com

जयपुर। लोकसभा चुनावों को लेकर भाजपा की दूसरी सूची इसी सप्ताह जारी हो सकती है। राजस्थान में अभी 10 लोकसभा सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा बाकी है। उम्मीदवारों का नाम तय करने के लिए अगले एक-दो दिन में दिल्ली में बीजेपी की केंद्रीय कोर कमेटी की बैठक होनी है, इस बैठक में पैनल तैयार करने के बाद उसे केंद्रीय चुनाव समिति(सीईसी) में चर्चा की जाएगी। माना जा रहा है कि 8 मार्च को सीईसी की बैठक होगी। सूत्रों के मुताबिक भाजपा सीईसी की बैठक के एक से दो दिन बाद भाजपा दूसरी जारी कर देगी। पार्टी 3 से 4 सीटों पर महिला प्रत्याशी भी उतार सकती है। श्रीगंगानगर से निहाल चंद मेघवाल, भीलवाड़ा से सुभाष चंद्र बहेड़िया और जयपुर शहर सीट से रामचरण बोहरा मौजूदा सांसद हैं। इन्हें पार्टी फिर से प्रत्याशी बना सकती है। श्रीगंगानगर से निहाल चंद मेघवाल, भीलवाड़ा से सुभाष चंद्र बहेड़िया और जयपुर शहर सीट से रामचरण बोहरा मौजूदा सांसद हैं। इन्हें पार्टी फिर से प्रत्याशी बना सकती है। राजस्थान की 10 लोकसभा सीटों में से बीजेपी 6 सीटों पर नए प्रत्याशी उतार सकती है। जयपुर ग्रामीण से सांसद रहे कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ भजनलाल सरकार में मंत्री हैं। ऐसे में इस सीट पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष राव राजेंद्र सिंह को प्रत्याशी बनाया जा सकता है। वहीं महिला चेहरे के रूप में बीजेपी नेता राखी राठौड़ का नाम भी चर्चा में है। अजमेर लोकसभा सीट से मौजूदा सांसद भागीरथ चौधरी को पार्टी ने विधानसभा चुनाव में किशनगढ़ सीट से प्रत्याशी बनाया था, लेकिन वो चुनाव हार गए थे। ऐसे में उनका टिकट कटना तय माना जा रहा है। यहां से बीजेपी पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया को प्रत्याशी बना सकती है।

राखी राठौड़ | राजेंद्र राठौड़ | सतीश पूनिया

भागीरथ चौधरी | नरेंद्र कुमार खीचड़ | मनोज राजोरिया

इसी तरह से दीया कुमारी के उप मुख्यमंत्री बनने से राजसमंद सीट पर भी बीजेपी को नया चेहरा उतारना पड़ेगा। यहां से पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ का नाम पैनल में भी गया है। इसके अलावा लोकेंद्र सिंह कालवी के बेटे भवानी कालवी और पूर्व सांसद हरिओम सिंह राठौड़ के बेटे करणवीर सिंह का नाम भी चर्चा में है। झुंझुनूं सीट से सांसद नरेंद्र कुमार खीचड़ को भी पार्टी ने मंडावा विधानसभा सीट से प्रत्याशी बनाया था, लेकिन वो चुनाव हार गए। ऐसे में यहां से भी पार्टी किसी नए चेहरे को प्रत्याशी बना सकती है। इस सीट पर सांसद नरेंद्र कुमार की पुत्रवधु हर्षिनी कुल्हरी का नाम भी चल रहा है। वहीं पूर्व सांसद संतोष अहलावत के नाम की भी चर्चा है। इसी तरह से दौसा, टोंक-सवाई माधोपुर और करौली-धौलपुर लोकसभा सीट पर भी बीजेपी नए प्रत्याशी की घोषणा कर सकती है।

कोलकाता हाईकोर्ट ने शेख शाहजहां का केस ईडी को सौंपा

24 न्यूज अपडेट.उदयपुर
desk24newsupdate@gmail.com

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने मंगलवार को शेख शाहजहां का केस ईडी को ट्रांसफर कर दिया। शाहजहां को भी केंद्रीय जांच एजेंसी को सौंप दिया गया। बंगाल सरकार के वकील ने हाईकोर्ट से अपील की कि वे इस आदेश पर 3 दिन रोक लगा दे, लेकिन हाईकोर्ट ने इससे इनकार कर दिया। इसके बाद राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में जाने का फैसला किया। शेख को टीम पर हमले के केस में 29 फरवरी को नॉर्थ 24 परगना के मीनाखान इलाके से गिरफ्तार किया गया था। वह 55 दिन से फरार था। फिलहाल वो अभी 10 दिन की पुलिस रिमांड पर है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा कि इस केस से जुड़े सभी कागजात तुरंत ईडी को सौंप दिए जाएं। 4:30 बजे शाहजहां को भी टीम को सौंप दिया जाएगा। 29 फरवरी को गिरफ्तारी के तुरंत बाद शेख शाहजहां के वकील जमानत के लिए हाईकोर्ट पहुंचे थे। कोर्ट ने कहा था, "उसे गिरफ्तार ही रहने दो। अगले 10 साल तक ये आदमी आपको बहुत व्यस्त रखेगा। आपको इस केस के अलावा कोई और चीज देखने का मौका नहीं मिलेगा। उसके खिलाफ 42 केस दर्ज हैं। वो फरार भी था। जो कुछ भी आपको चाहिए, आप 4 मार्च को आइए। हमारे पास उसके लिए कोई सहानुभूति नहीं है।" हालांकि, 4 मार्च की जगह 5 मार्च को सुनवाई हुई। 5 जनवरी को ईडी की टीम संदेशखाली में शेख शाहजहां के घर रेड डालने पहुंची थी। तब भीड़ ने टीम पर हमला कर दिया था, जिसमें ईडी अधिकारी घायल हो गए थे। शेख शाहजहां की गिरफ्तारी को लेकर बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा कि भाजपा की तरफ से लगातार इस मुद्दे पर प्रदर्शन किए गए, जिसकी वजह से बंगाल सरकार उसे गिरफ्तार करने को मजबूर हुई। सरकार तो अब तक शेख शाहजहां को आरोपी मानने से ही इनकार कर रही थी।

संपादकीयः विदेशी महिला से यौन हिंसा शर्मनाक, कानून-व्यवस्था खोखला होने का सबूत

स्वतंत्र लेखक

झारखंड के दुमका में एक विदेशी महिला से बलात्कार और मारपीट की घटना न सिर्फ अपराधियों के बेलगाम होते जाने, बल्कि कानून-व्यवस्था खोखला होने का सबूत है। इसमें आरोपियों ने जिस तरह पीड़ित महिला के खिलाफ यौन हिंसा की, उससे यही लगता है कि उस इलाके में पुलिस प्रशासन का कोई खौफ नहीं था। हालांकि जब मामला पुलिस के पास पहुंचा तो वह सतर्क हो गई और अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार किए जाने की बात कही जा रही है।

मगर विडंबना है कि जब ऐसी कोई आपराधिक घटना हो जाती और जनआक्रोश उभरता तथा मामला तूल पकड़ लेता है, तभी सरकार और प्रशासन की नींद क्यों खुलती है। यही सक्रियता अगर सामान्य स्थितियों में भी कायम रहे, तो शायद किसी आपराधिक प्रवृत्ति वाले व्यक्ति के भीतर कानूनी कार्रवाई का डर बन सकता है और इस तरह कई अपराधों को पहले ही रोका जा सकता है।

अफसोसनाक यह है कि भारत की 'अतिथि देवो भव' की परंपरा का गुणगान करते हुए दुनिया भर के लोगों से यहां आने का आग्रह किया जाता है। मगर विदेश से भारत घूमने आए पर्यटकों के साथ कई ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं, जिन्हें उदाहरण मान कर खासतौर पर महिलाओं के लिहाज से यहां असुरक्षित और खतरनाक माहौल होने की बात कही जाती है। स्पेन की महिला के साथ जो हुआ, उससे एक बार फिर उसी धारणा की पुष्टि हुई है। सवाल है कि परदेस में भारत की ऐसी छवि न बने, इसके लिए यहां की सरकारें, पुलिस प्रशासन और आम लोग अपने स्तर से क्या करते हैं!

आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों से किसी विदेशी के भारत में आने और उसके साथ किए जाने वाले व्यवहार की अहमियत समझने की उम्मीद बेमानी है। यों किसी भी महिला के खिलाफ यौन हिंसा को लेकर शून्य सहनशीलता की नीति अपनाने और उसे गंभीर अपराधों की श्रेणी में दर्ज किया जाना अनिवार्य होना चाहिए, मगर भारत में जिस 'अतिथि देवो भव' और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का हवाला दिया जाता रहा है, उसे सचमुच जमीन पर उतारना या सुनिश्चित करना सरकार और प्रशासन का ही दायित्व है।

गरीबी के पैमाने को लेकर सरकार का तर्क विवादों के घेरे में

स्वतंत्र लेखक

चालू वित्तवर्ष की तीसरी यानी दिसंबर तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर 8.4 फीसद दर्ज हुई है। यह निस्संदेह उत्साहजनक आंकड़ा है। यह भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान से कहीं अधिक है। इस तरह चालू वित्तवर्ष का सकल घरेलू उत्पाद सारे अनुमानों से अधिक रहने वाला है। रिजर्व बैंक ने अपना पुराना अनुमान बदल कर इसे 7.6 फीसद कर दिया है।

हालांकि रिजर्व बैंक ने माना था कि तीसरी तिमाही में आर्थिक विकास दर आठ फीसद के आसपास रहेगी, मगर चौथी तिमाही में इसके छह फीसद के नीचे रहने का अनुमान है। तिमाही में विकास दर ऊंची रहने के पीछे विनिर्माण क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन, कर संग्रह में बढ़ोतरी और सबसिडी खर्च में कमी को मुख्य कारण माना जा रहा है। पांच लाख करोड़ डालर की अर्थव्यवस्था बनाने के सरकार के इरादे को निश्चित रूप से इससे बल मिलेगा।

मगर इस आर्थिक विकास दर की परत-दर-परत पड़ताल करें, तो कई असंगत स्थितियां भी नजर आती हैं। आर्थिक विकास दर के ऊंची रहने के बावजूद आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों- कोयला, इस्पात, बिजली, कच्चा तेल, रिफाइनरी, प्रकृतिक गैस, उर्वरक और सीमेंट- में विकास दर सुस्त दर्ज हुई है। इसके समांतर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश करीब तेरह फीसद घटा है।

माना जाता है कि तेज अर्थव्यवस्था वाले देशों की तरफ विदेशी प्रत्यक्ष निवेश अपने आप आकर्षित होता है। इस वक्त जब दुनिया मंदी के दौर से गुजर रही है, तब भारतीय अर्थव्यवस्था का रुख ऊपर की तरफ बना हुआ है। दवा उत्पादन, सेवा, दूर संचार जैसे कुछ क्षेत्रों में विकास की संभावनाएं अधिक आंकी जाती रही हैं।

मगर सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद इन क्षेत्रों में भी अगर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित नहीं हो पा रहा है, तो इसे अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा संकेत नहीं माना जा सकता। जिस समय औद्योगिक गतिविधियां ठप्प थीं, उस समय भी भारतीय कृषि क्षेत्र ने अर्थव्यवस्था को लड़खड़ाने नहीं दिया था। मगर आर्थिक विकास दर में इसका योगदान लगातार घटता नजर आ रहा है।

जाहिर है, इस क्षेत्र को उचित प्रोत्साहन नहीं मिल पा रहा। इससे आने वाले समय में महंगाई की दर ऊंची रहने की आशंका बनी रहेगी। महंगाई पर काबू पाना पहले ही सरकार के लिए चुनौती बना हुआ है। रिजर्व बैंक रेपो दरों के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं करना चाहता। पिछले आंकड़ों में सबसे अधिक महंगाई सब्जियों, दूध, फल और अंडे वगैरह की कीमतों में दर्ज की गई थी।

ऊंची विकास दर के समांतर यह सवाल भी लगातार बना हुआ है कि इसी अनुपात में लोगों की क्रयशक्ति क्यों नहीं बढ़ पा रही। क्रयशक्ति न बढ़ने से घरेलू बाजार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कुछ दिनों पहले जारी हुए उपभोग खर्च संबंधी आंकड़ों से जाहिर है कि लोगों का घरेलू खर्च बढ़ कर दो गुना हो गया है, जबकि उनकी आमदनी में उत्साहजनक बढ़ोतरी नहीं हो पाई है।

गरीबी के पैमाने को लेकर भी अंगुलियां उठती रही हैं, जिसके आधार पर करीब तेईस करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकालने का दावा किया जा रहा है। अब तो योजना आयोग का कहना है कि केवल पांच फीसद लोग ही गरीब हैं। जबकि इसका दूसरा पहलू यह है कि सरकार खुद करीब अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज वितरित करने का श्रेय लेती है। ऐसे असंगत आंकड़ों के साथ आर्थिक विकास दर के ऊंची रहने से देश की वास्तविक तरक्की का चेहरा स्पष्ट नहीं हो सकता।

अब शक्ति नगर बोटल नेक पर खाली प्लॉट से सड़क निकालने का सुझाव!

24 न्यूज अपडेट.उदयपुर
desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर। नगर निगम की प्रशासनिक समिति की बैठक में शहर के शक्तिनगर से निकाली जाने वाली रोड पर चर्चा की गई। इसमें अतिक्रमण विरोधी समिति के अध्यक्ष छोगालाल भोई की ओर से कहा गया कि वर्तमान में जो रास्ता निगम की ओर से निकाला जा रहा है उसमें तो रॉन्ग साइड से आकर फिर रास्ता पार करते हुए और घूमते हुए आगे के रास्ते पर बढा जा सकता है। ऐसे में क्यों नहीं सनातन मंदिर से आगे बेकरी के पास खोली पड़े प्लॉट से ही होकर पीछे से रास्ता निकाल दिया जाए। इस रास्ते को निकालने के लिए निगम को आरसीए के ग्राउंड के पास वाली जमीन अधिग्रहित करनी होगी। भोई ने बताया कि वर्तमान प्लान से आगे बढने पर यह एक्सीडेंटल जोन बन जाएगा। इससे आने वाले दिनों में परेशानियां हो जाएंगी। सनातन मंदिर के पास के प्लॉट पर चैराहा भी बनाया जा सकता है। इस प्रस्ताव का उप महापौर पारस सिंघवी सहित अन्य लोगों ने समर्थन किया। कहागया कि इस पर महापौर, आयुक्त सहित अन्य से सर्व सम्मति से चर्चा कर रास्ता निकाला जाएगा। गौरतलब है कि इस वैकल्पिक रास्ते को निकालने का विचार नया नहीं है। कई सालों से यह मांग चली आ रही है कि घरों को नहीं गिराते हुए मौजूदा खाली पड़ी जमीन से ही रास्ता सीधा निकाल दिया जाए। लेकिन बरसों बाद पिछले दिनों नगर निगम की ओर से कार्रवाई करते हुए बोटल नेक वाली दुकान तोड दी गई व आगे के घरों पर नोटिस चस्पा कर दिए गए। इस कार्रवाई से लोगों में आक्रोश छा गया व वे यह कहना नहीं भूले कि मोदीजी को वोट दिया है उसके बावजूद उन पर भाजपा के राज में कार्रवाई हो रही है। अब राजनीति के सहारा इसका तोड निकालने का प्रयास हो रहा है। अतिक्रमण विरोधी समिति के अध्यक्ष और उप महापौर का एक स्वर होना संकेते दे रहा है कि अब खाली जमीन से रास्ता निकालने वाला विकल्प ही काम में लिया जाना तय है। समाज की ओर से भी लोकसभा चुनावों के मद्देनजर इसी रास्ते का दबाव बनाने की खबर है।

2013 ने बना था प्लॉट से बाईपास रास्ते का प्लान

शक्तिनगर में जिस प्लॉट से रास्ता निकालने की बात हो रही है वह बिलोचिस्तान को ओपरेटिव सोसायटी या कहें कि पंचायत का है। यह प्लॉट बरसों से इसलिए ही खाली रखा गया है क्योंकि यहां से रास्ता निकालने का प्लान था। यह रास्ता 2013 तक मास्टर प्लान मे भी था मगर 2020 में जब नया मास्टर प्लान बना तो नया रास्ता निकालने की बात उठी। अब कहा जा रहा है कि आरसीएस वाले जमीन नहीं दे रहे हैं और इसके पीछे तर्क दिया जा रहा है कि पहले जमीन लेते समय कमिटमेंट हो गया था कि आगे और जमीन नहीं ली जाएगी। मगर पीडितों व स्थानीय लोगों का कहना है कि परिवारों को उजाडने की बजाय सर्व सम्मति से सरकारी स्तर पर ही प्रयास कर आरसीए की जमीन ली जाए तो फैसला सबके हित में रहेगा। इसके लिए कोई मकान भी नहीं तोडना पडेगा। आरसीएस की जमीन लेते हुए ग्राउंड की दीवार को तोड कर रास्ता बनाना होगा। अभी छह से सात मकान तोडे जाने का प्रस्ताव है जो 1952 से यहां बनाए हुए हैं व इनमें चौथी पीढी रह रही है। यह जमीन पाकिस्तान से विस्थापित होकर अपने भारत लौटे लोगों को दी गई थी जिसे बाद में शक्तिनगर नाम दिया गया। लोगों का कहना है कि दो नोटिस आ चुके हैं। यदि मकान टूटता है तो पूरा घर टूट जाएगा क्योंकि उसे बने बरसों हो गए हैं। अधिकतर घर दो मंजिला हैं। अभी कॉमर्शियल के नोटिस दिए हुए हैं लेकिन हास्यास्पद बात ये है कि पूरा शक्तिनगर ही नहीं लगभग आधा शहर इसी तरह से कमर्शियल है। पीडितों का कहना है कि मेयर चंद्रसिंह कोठारी व रामनिवास मेहता के जमाने में ही यह रोड बाइपास रास्ते से निकालना फाइनल हो गया था। तब यह तय था कि आरसीए की जमीन लेकर रास्ता निकल जाएगा मगर सरकार बदलते ही रूख भी बदल गया। लोगों ने यह भी बताया कि अभी पतली गली से खंभे हटाने के बाद समस्याएं बढ गई है। अब कारें निकलने लग गई हैं। जेसीबी भी जा रही हैं। ऐसे में यहां कभी भी हादसा हो सकता है। फिलहाल नोटिस वाले घरों में 24 परिवार सात मकानों में रहते हैं। इधर इस मसले पर यह भी बात सामने आई है कि सामाजिक स्तर पर भी पुरजोर प्रयास करने की जरूतर है। यदि सभी पंचायतें मिलकर प्रयास करें तो मामला सुलझ सकता है।

6 महीने से फरार शातिर चोर गिरफ्तार, चिबुड़ा भैरवजी मंदिर में की थी चोरी

24 न्यूज अपडेट.उदयपुर
desk24newsupdate@gmail.com

डूंगरपुर। डूंगरपुर की सरोदा थाना पुलिस ने चोरी के मामले में एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने चिबुड़ा के भैरवजी मंदिर में चोरी की वारदात की थी। पुलिस ने चोरी के समय उपयोग में ली बाइक भी जब्त कर ली है। सरोदा थानाधिकारी भुवनेश चौहान ने बताया की 29 अक्टूबर 2023 को पूंजा पुत्र कलाजी रेबारी निवासी चिबुडा धाणी फला ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। उसने बताया की वह मंदिर का पुजारी है। 27 फरवरी को शाम के समय पूजा के बाद घर चला गया था। दूसरे

दिन 28 फरवरी को वापस मंदिर में पूजा करने गया तो मंदिर के दरवाजे खुले थे। मंदिर के अंदर जाकर देखा तो दानपेटी नहीं थी। मंदिर का घंटा भी चोरी हो गया था। मंदिर में रखा धूपबत्ती पित्तल के चार समेत कई सामान चोरी हो गया था। घटना के बाद पुलिस ने केस दर्ज करते हुए चोरों की तलाश शुरू कर दी। थानाधिकारी के साथ हेड कॉन्स्टेबल सुखलाल, कॉन्स्टेबल कृष्ण प्रताप सिंह, जयपाल सिंह, नागेंद्र सिंह, लोकेश और विशाल की टीम ने छानबीन की। पुलिस को चोरी के बारे में खास सुराग मिले। पुलिस ने चोरी के आरोप में जोधा (23) पुत्र नाथू उर्फ चितरिया कनिपा निवासी पारडा सरोदा को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी जोधा ने चोरी की वारदात कबूल कर ली। पुलिस ने मंदिर से चुराया गया सामान बरामद कर लिया है। वहीं, चोरी आई समय काम में ली बाइक भी जब्त कर ली है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

GSTIN : 08AADCD8913B1ZW
CIN : U74920RJ2011PTC034643
DYNAMIC GROUP ESTB : 1993
DYNAMIC TEAM SECURITY SERVICES PRIVATE LIMITED
78-79, Janakpuri, Opp. NB Nagar, Airport Road
Bedwas, Udaipur-313024 (Raj.)

बेसमेंट की खुदाई के दौरान मिट्टी ढ़ही, तीन मजदूरों की मौत

24 न्यूज अपडेट.उदयपुर
desk24newsupdate@gmail.com

जयपुर। जयपुर में बेसमेंट में खुदाई के दौरान मिट्टी ढहने से 3 मजदूरों की मौत हो गई। अक्षयपात्र फाउंडेशन के पास बन रहे एक मॉल के बेसमेंट की खुदाई के दौरान मिट्टी ढह गई। इसमें तीन मजदूरों की मौत हो गई। मृतकों में दो सगे भाई बताए जा रहे हैं। दोनों दो महीने पहले

ही जयपुर मजदूरी के लिए झारखंड से यहां आए थे। तीसरा मृतक मजदूर बिहार से हैं। सिविल डिफेंस और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची व 20 मिनट की मशक्कत केबाद जेसीबी की मदद से मिट्टी हटा कर मजदूरों के शवों को बाहर निकाला गया। जयपुरिया हॉस्पिटल में जांच के दौरान डाक्टरों ने तीनों मजदूरों को मृतघोषित किया। दोपहर करीब 3 बजे जयपुर के रामनगरिया थाना क्षेत्र में अक्षयपात्रा फाउंडेशन के पास घटना हुई। रामनगरिया थाना सीआई अरुणकुमार ने बताया कि अक्षयपात्र फाउंडेशन के पास बन रहे एकमॉल के बेसमेंट की खुदाई का कामचल रहा था। इसी दौरान मिट्टी गिरने से तीन मजदूर बिहार के कटिहार निवासी इरशाद (22), झारखंड के लतेहार निवासी प्रेमचंद (23)और रामजनम (31) दब गए। वहां काम कर रहे मजदूरों ने पुलिस को सूचना देकर तुरंत तीनों को निकालने में जुट गए। जानकारी के अनुसार जगतपुरा क्षेत्र में एक मॉल बन रहा है। बेसमैंट बनाने का काम चल रहा है, जिसके लिए खुदाई की जा रही थी। बेसमैंट का एक सिरा, जिसमें मजदर रहते हैं, उसको पक्का नहीं कराया गया था। वहीं पर खुदाई का काम चल रहा था। खुदाई के दौरान कच्चा होने की वजह से मिट्टी ढह गई और वहां पर काम कर रहे तीन मजदर उसमें दब गए।

मकान में घुसे दो चोर, पकड़े जाने के डर से लगाई फांसी, एक की मौत

24 न्यूज अपडेट.उदयपुर
desk24newsupdate@gmail.com

जयपुर। जयपुर के करधनी इलाके के सरस्वती विहार में रविवार रात सूने मकान में दो चोर घुस गए। इसकी जानकारी पड़ोसियों को हुई तो उन्होंने मकान घेर लिया और बाहर से ताला लगा दिया। इस पर दोनों चोरों ने फंदा लगा लिया। घटना में एक की मौत हो गई और दूसरे को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मरने वाले की पहचान मानसिंह और दूसरे की पहचान मोहित के रूप में हुई है। दोनों आरोपियों पर एनडीपीएस एक्ट समेत एक दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। दरअसल रविवार की रात धर्मेंद्र चौधरी के मकान में दो चोर घुसे थे। नकदी और ज्वैलरी तलाशने के लिए अलमारियों को खोला तभी पड़ोसी जाग गया। उन्होंने मकान देखा तो ताला टूटा हुआ था। इलाके के लोग घर के बाहर एकत्र हो गए और ताला लगा दिया। चारों तरफ से घिरा देखकर चोरों ने खुद को एक कमरे में बंद किया और फंदा लगा लिया। पुलिस ने बदमाशों को हॉस्पिटल भिजवाया। चिकित्सकों ने बैनाड़ रोड हरमाड़ा निवासी मानसिंह को मृत घोषित कर दिया और बालाजी विहार बैनाड़ रोड निवासी मोहित वर्मा को उपचार के बाद छुट्टी दे दी।

महाराणा भूपाल सिंह जी की 140वीं जयंती 30 विभूतियों का किया सम्मान

24 न्यूज अपडेट.उदयपुर
desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर। महाराणा भूपाल सिंह की 140वीं जन्म जयंती पर जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विवि एवं लोकजन सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय समारोह के पांचवे दिन मंगलवार को प्रतानगर स्थित आईटी सभागार में शिक्षा, चिकित्सा, साहित्य, खेल, संगीत, मनोरंजन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 30 विभूतियों का मुख्य अतिथि माण्डल विधायक उदयलाल भडाणा, कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत, पैसिफिक विवि के अध्यक्ष प्रो. के.के. दवे, कुल प्रमुख भंवर लाल गुर्जर , पूर्व विधायक धर्मनारायण जोशी, उदयपुर के सांसद पद के प्रत्याक्षी डॉ. मन्नालाल रावत, महाराज गजराज सिंह राणावत, समाजसेवी डॉ. जिनेन्द्र शास्त्री, लाखाराम गुर्जर, जयकिशन चौबे, प्रो. विमल शर्मा ने माला, उपरणा, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर

सम्मानित किया। समारोह में वरिष्ठ वक्ताओं ने महाराणा भूपाल सिंह को याद करते हुए कहा कि मेवाड़ त्याग, तपस्या, बलिदान की भूमि रही है। स्वामी भक्त घोड़े की पूजा की जाती है तो हाथी के रूप में रामप्रसाद की पूजा की जाती है। कण कण में स्वामी भक्त की गुंज सुनाई देती है। ऐसे पवित्र स्थल पर जन्म लेना ही गौरव की बात है। मेवाड़ के प्रथम महाराज प्रमुख महाराणा भूपाल सिंह ने स्वाधीन भारत में रियासतों के विलय में अपनी अहम भूमिका का निर्वहन करते हुए मेवाड़ की रियासत का भारत में विलय करना स्वीकार किया। राजशाही शासन से लोक शासन की नींव रखने का पहला प्रयास महाराणा ने किया। महाराणा भूपाल सिंह ने आगामी 100 वर्षों को ध्याम रखते हुए अनेक जनहितकारी कार्यों को किया जिन्हें पूरा मेवा? आज भी याद करता है। प्रारंभ में प्रो. विमल शर्मा ने स्वागत उद्बोधन दिया। ख्यातनाम महापुरूषों के नाम से उत्कृष्ट व्यक्तियों का सम्मान किया गया, जो हमारे लिए गौरव की बात है। डॉ. जयराज आचार्य ने लोकजन सेवा संस्थान का संस्था परिचय दिया तो दूसरी ओर संस्थापक महासचिव जयकिशन चोबे ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी।

पेपरलीक के टॉपर्स सूरमा एसओजी की पूछताछ में ढेर हो गए, पीएम मोदी के लोकसभा क्षेत्र का नाम तक नहीं बता सके

- जनरल नॉलेज बच्चों से भी कम, राजस्थान में कितने जिले यह भी नहीं पता
- सबसे बड़ा सवाल-सरकार बदलते ही कैसे पकड़ में आए

24 न्यूज अपडेट.उदयपुर
desk24newsupdate@gmail.com

जयपुर। एसओजी की ओर से एसआई पेपर लीक मामले में ट्रेनिंग सेंटर से पकडे गए प्रशिक्षुओं की कलई खुल गई है। जांच के दौरान उनसे पूछा गया कि राजस्थान में कितने जिले हैं?, पीएम मोदी कहां से लोकसभा चुनाव लड़ते हैं? राजस्थान में लोकसभा की कितनी सीटें हैं? इन सवालों का भी वे जवाब नहीं दे पाए। ये लोग पुलिस अफसर बन जाते तो न जाने क्या हो जाता। इन्होंने पेपरलीक और अपनी जगह डमी कैंडिडेट बिठाकर एसआई-प्लाटून कमांडेट भर्ती परीक्षा 2021 पास कर ली। कल 15 ट्रेनी (प्रशिक्षु) सब इंस्पेक्टरों को चलती ट्रेनिंग से बाहर बुलाया गया तो उनके होंश उड गए। वे वहीं पर समझ गए कि अब खेल खत्म हो चुका है। अभी और भी कई गिरफ्त में आने बाकी हैं। एसआई-प्लाटून कमांडेट भर्ती परीक्षा 2021 के 15 ट्रेनी सब इंस्पेक्टरों को एसआईटी ने डिटेन कर लिया है। इनमें से अधिकतर एक ही जिले के हैं। सब के सबने नकल करके परीक्षा में हाई स्कोर किया था।

सेमिनार में बुलाया तो होंश ठिकाने आ गए

एसओजी के अधिकारी जब राजस्थान पुलिस एकेडमी गई तो ट्रेनी एसआई की क्लास चल रही थी। एसओजी के एक अधिकारी वर्दी में सेमिनार में घुसे और इंस्पेक्टरों की ओर इशारा कर बाहर जाकर बस में बैठने को कहा तो होश उड़ गए। इस पर सभी कैंडिडेट डर गए। सबको पता था कि हंगामा करने का कोई फायदा नहीं है। बिना किसी विवाद के सेमिनार हॉल छोड़ा और एसओजी की बस में जाकर बैठ गए। आरोपियों में एक महिला भी शामिल है। 15 कैंडिडेट (ट्रेनी इंस्पेक्टर) को एसओजी मुख्यालय लाया गया। यहां इनसे जनरल अवेयरनेस के बच्चों वाले सवाल पूछे गए जिनके इनके पास उनके जवाब नहीं थे। ये भी नहीं बता सके कि राजस्थान में कितने सम्भाग मुख्यालय हैं? मौजूदा सरकार कितनी सीटें जीतकर बनी है? राजस्थान में लोकसभा की कितनी सीटें हैं, किन्हीं 5 सीटों के नाम नहीं बता सके। एक बार में देख कर ही लग गया कि इनकी मानसिक स्थिति डांवाडोल हो गई है।

गैंग ने ना जाने कितने अफसर बनाए

पुलिस की गिरफ्त में आए जगदीश विश्नोई और हर्षवर्धन कुमार मीणा से हुई पूछताछ में यह खुलासा हो चुका है कि इन लोगों ने पिछले कुछ सालों में हुई लगभग हर भर्ती परीक्षा का पेपर लीक किया है। टीचर राजेन्द्र कुमार यादव के मार्फत इन लोगों ने न केवल पेपर लीक किए, बल्कि पैसा देने वाले अभ्यर्थियों (कैंडिडेट) की जगह डमी कैंडिडेट भी बिठाए। एसओजी इस बात से हैरान है कि अब तक इस केस में गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई, जबकि इन लोगों के मॉक इंट्रव्यू सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे थे। 2 फरवरी को डालूराम मीणा की गिरफ्तारी के बाद एसओजी ने आरपीए से अगले दो दिन का रोल कॉल मंगवाया। जांच में सामने आया कि केवल दो लोग डालूराम मीणा की गिरफ्तारी के बाद से गायब थे। एसओजी ने दोनों की जानकारी जुटाई तो पता चला कि वह गांव चले गए हैं।एसओजी ने लोकल पुलिस के माध्यम से डिटेन करके एसओजी पहुंचाने के लिए कहा। 12 प्रशिक्षु एसआई को एसओजी ने आरपीए से डिटेन किया। एक को किशनगढ़ ट्रेनिंग सेंटर से डिटेन किया था। दो को उनके गांव से लाए। एसओजी-एटीएस चीफ वीके सिंह के अनुसार 2 फरवरी को डालूराम को आरपीए से गिरफ्तार किया गया था। डालूराम ने 'एसआई भर्ती-2021' परीक्षा में अपनी जगह हरचंद उर्फ हरीश को बैठाया था। पुलिस ने हरचंद को सांचौर से गिरफ्तार किया था।डालूराम से हुई पूछताछ में कई अहम जानकारी सामने आई है। बाद में डालूराम फिजिकल में पास हो गया था। आरपीए में ट्रेनिंग ले रहा था।

विदेश भाग चुके मास्टर माइंड

पेपर लीक से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े आरोपियों ने देश छोड़ कर नेपाल का रुख कर लिया है। एसओजी ने इन बदमाशों को पकड़ने के लिए पुलिस मुख्यालय को सूची दी है। ये ऐसे बदमाश हैं, जो जेल जाने से बचने के लिए विदेश भाग गए हैं। इन लोगों का लुकआउट नोटिस भी जारी कराने की तैयारी हो रही है। इनके हाथ लंबे हैं व कई नेताओं से भी जुड़े हो सकते हैं।

सरकारी स्कूलों में प्राइवेट जैसी सुविधाएं देंगे, शिक्षक तबादलों की नई नीति बनाएंगे : सीएम

24 न्यूज अपडेट.उदयपुर
desk24newsupdate@gmail.com

जयपुर। शिक्षक तबादलों के लिए सीएम भजनलाल शर्मा ने नई तबादला नीति बनाने के आदेश दिए हैं। शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा है कि अनियमित तबादलों के कारण स्कूलों में पढ़ाई प्रभावित होती है। इस समस्या के समाधान के लिए शिक्षा विभाग को पारदर्शी तबादला नीति तैयार करनी चाहिए। इससे शिक्षकों का योग्यता के आधार पर और सही समय पर तबादला हो सकेगा। गौरतलब है कि पिछली सरकार में भी सीएम अशोक गहलोत ने इसी प्रकार का आश्वासन दिया था।

सीएम भजनलाल ने कहा कि शिक्षा के सुधार के लिए कुछ जिलों में नए प्रयोग किए जाएं। इन इनोवेशन को निकट भविष्य में पूरे प्रदेश में लागू किया जाए। ताकि राजस्थान पूरे देश में बेहतरीन शिक्षा का मॉडल बनकर उभरे। सीएम भजनलाल शर्मा शिक्षा विभाग से जुड़ी 100 दिन की कार्य योजना की समीक्षा बैठक में बोल रहे थे। स्कूल शिक्षा विभाग के अफसरों को सरकारी स्कूलों में भी प्राइवेट स्कूलों जैसी सुविधाएं और संसाधन उपलब्ध कराने की योजना बनाने के निर्देश दिए व कहा कि प्राइवेट स्कूलों जैसे साधन उपलब्ध होंगे तो साधारण आदमी के बच्चों को भी अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा मिल सकेगी। सरकारी स्कूलों में शिक्षक की बहुत कठिन परीक्षा पास करने के बाद नौकरी लगती है। उनमें विद्यार्थियों के भविष्य को बनाने की पूरी क्षमता होती है।

जहां ज्यादा स्टूडेंट, वहां ज्यादा शिक्षक लगें

सरकारी स्कूलों में खाली पदों को भरने के लिए शिक्षकों की सामंजस्य से पोस्टिंग करने पर जोर दिया। सीएम ने स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या के आधार पर शिक्षकों की नियुक्ति करने के लिए नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि जिन स्कूलों में शिक्षकों की कमी है, वहां विद्यार्थियों को प्राथमिकता से और समय पर शिक्षक मिल सकें, इस आधार पर शिक्षकों की पोस्टिंग हो। राजीव गांधी स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस की समीक्षा करते हुए इस योजना में देश के प्रतिष्ठित संस्थानों को शामिल करने के निर्देश दिए। सीएम ने प्रक्रियाधीन भर्तियों की स्थिति, विद्या सम्बल योजना, स्कूटी

और साइकिल वितरण योजना, छात्रवृत्ति योजना, पीएम ऊषा योजना की भी समीक्षा की।

संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिए सालाना कैलेंडर

सीएम ने कहा- संस्कृत भाषा के ज्ञान से व्यक्ति के आचार, विचार और संस्कार में सकारात्मक बदलाव आता है। राज्य सरकार संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अहम फैसले कर रही है। संस्कृत शिक्षा विभाग को शिविर और गोष्ठियों का आयोजन कर विद्यार्थियों को संस्कृत शिक्षा के प्रति प्रेरित करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अफसरों को संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए विभागीय वार्षिक कैलेंडर प्रकाशित करने के निर्देश भी दिए।

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने 18 सूत्रीय मांगों को लेकर उपखंड अधिकारी को दिया ज्ञापन

24 न्यूज अपडेट.उदयपुर
desk24newsupdate@gmail.com

आसींद। आसींद बदनोर क्षेत्र प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के सदस्यों ने आसींद उपखंड कार्यालय पहुंचकर उपखंड अधिकारी उम्मेद सिंह राजावत को ज्ञापन सौंपा जिसमें बताया कि

निदेशक प्रारंभिक शिक्षा कार्यालय में कार्यरत स्कूलों के कार्यों से जुड़े कुछ अधिकारी गैर सरकारी स्कूलों से हमेशा अवैध वसूली करने की नीयत से असंवैधानिक विवादित आदेश जारी करते रहते हैं जिसके कारण विभाग बदनाम होता ही है। बल्कि न्यायालय में भी सरकार को हार का सामना करना पड़ता है जिससे गैर सरकारी स्कूलों से टकराव की स्थिति बन गई है। प्राइवेट संगठन की मांग है कि निदेशक प्रारंभिक शिक्षा के मनमाने आदेश को प्रत्याहारित किया जाए तथा 18 सूत्रीय मांग जिसमें शासन सचिव द्वारा निजी स्कूलों को भौतिक सत्यापन हेतु एक आदेश जारी किया जिसमें विद्यालय की संपूर्ण जानकारी मांगी गई है जबकि आरटीई के समय भौतिक सत्यापन प्रत्येक निजी विद्यालय करवा चुका है, जिसकी बार-बार आवश्यकता नहीं विगत कई वर्षों से निजी विद्यालयों के आर टी ई का भुगतान लंबित है उसे समय पर पूरा कराया जाए, विद्यालयों के भौतिक सत्यापन के हेतु जो शासन सचिव के जारी आदेश को वापस लिया जाए क्योंकि हर साल निजी स्कूल अपना भौतिक सत्यापन करवाती ही है तो अभी आवश्यकता क्यों त्जम के तहत होने वाले प्रवेश की सभी कक्षाओं का भुगतान भी किया जाए वर्तमान में कक्षा 1 से भुगतान किया जा रहा है इससे पूर्व की कक्षाओं का भुगतान सरकार द्वारा नहीं किया जाता है संरक्षक सुधीर शर्मा निजी विद्यालय संगठन के सभी संचालकों ने डॉक्टर देवीलाल साहू के नेतृत्व में एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। देवेंद्र चौहान, मोतीराम बेनीवाल प्रफुल्ल माली, मनोहर सिंह चुंडावत किशन, सुधीर शर्मा, ऋतुराज सिंह, जितेंद्र सेन, शिवकुमार छिपा,नसीब मोहम्मद पठान, चेतन पंडा, शंकर मेवाड़ा, हनुमान रेबारी, अशोक कुमार शर्मा, भंवर सिंह, शिवराज सिंह , दर्शन सामरिया,एवं आसींद बदनोर क्षेत्र के सभी विद्यालय संचालक उपस्थित रहे।

24 न्यूज अपडेट के शुभारंभ पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
Kapi Chemicals
Suppliers of :
FURNACE OIL, FUEL OIL, L.D.O., MIXED OIL, WASTE OIL & ALL PETRO CHEMICALS
Pragnya Trade Link
All Type of Paint Solution's
Deals In : M.T.O. THINNER
ALL TYPE OF PAINT MANUFACTURERS
Tipu Mehta-9785501777
MAGRI WALA GHAR, ROSHAN LAL JI KI BADI, UDAIPUR-313002 (RAJ.)

24 न्यूज अपडेट के शुभारंभ पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
Keep Your Vehicle
ENERGETIC
Sandeep Jain
+91 87398 87393
Mohammed Rehan
+91 7690887995
15W40, 20W40, EP-90GEAR OIL
API CH-4
HIGH PERFORMANCE
LUBRICANT OIL
ADVANCED FORMULA
Divyoil Enterprises
17-Tehsil Girwa, Revenue Village, Savina Kheda, Udaipur (Raj.)

बीजेपी महिला मोर्चा ने निकाली रैली,घर-घर तक मोदी सरकार की योजनाओं को पहुंचाने का संकल्प

24 न्यूज अपडेट.उदयपुर
desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर। लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने चुनावी माहौल की शुरूआत कर दी है। पहले तो उदयपुर लोकसभा से प्रत्याशी घोषित होने के साथ ही भाजपा ने स्वागत और अन्य कार्यक्रम किए। इसके बाद चुनाव संचालन समिति की बैठक और आज भाजपा महिला मोर्चा ने नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम के तहत उदयपुर में रैली निकाली। रैली को टाउनहॉल नगर निगम के बाहर से उदयपुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशा मन्नालाल रावत और भाजपा शहर जिलाध्यक्ष रवीन्द्र श्रीमाली ने रैली को रवाना किया। रैली में शामिल मोर्चा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने केन्द्र की मोदी सरकार की योजनाओं को लेकर नारेबाजी करते आगे बढ़ी। रैली टाउनहॉल, सूरजपोल, बापूबाजार, बैंक तिराहा, देहलीगेट होते हुए वापस टाउनहॉल पहुंची। नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम के जरिए पार्टी ने लोकसभा चुनाव में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए उत्साह भरा है। रैली से पहले लोकसभा उम्मीदवार रावत ने कहा कि हमें घर-घर तक पहुंच बनाते हुए मोदी सरकार की योजनाओं और लाभार्थियों से संवाद रखना है। जिलाध्यक्ष श्रीमाली ने कहा कि अब चुनाव के लिए तैयार हो जाए और संगठन के साथ कदम मिलाते हुए पार्टी लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार की रिकॉर्ड जीत के लिए मेहनत करना शुरू कर दें। रैली में अध्यक्ष कविता जोशी, हंसा माली, अर्चना शर्मा, सुषमा कुमावत सहित मोर्चा की कार्यकर्ता शामिल थी। टाउन हॉल पर इस दौरान भाजपा नेता प्रमोद सामर, मनोज मेघवाल, शैलेन्द्र चौहान, अमृत मेनारिया, आदि मौजूद रहे।

सड़क सीमा में डाले पत्थर, रास्ता हुआ बंद

आकाशवाणी कॉलोनी के लोगों ने किया विरोध

24 न्यूज अपडेट.उदयपुर
desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर। पुरोहितों की मादड़ी स्थित आकाशवाणी कॉलोनी में घरों के सामने सड़क सीमा में आने वाली जमीन पर निर्माण शुरू करने का लोगों ने पुरजोर विरोध शुरू कर लिया हैं। यूडीए की ओर से यहां पर पहले ही चारदीवारी बनाई गई है मगर इसके बाद किसी ने पत्थर डालकर निर्माण शुरू कर दिया। लोगों की शिकायत पर यूडीए की टीम मौके पर पहुंची और पत्थर आदि देखकर मौका रिपोर्ट तैयार करते हुए यथास्थिति के लिए कहा। लोगों का कहना है कि इस कॉलोनी के सामने यूडीए ने पहले चारदीवारी तैयार की थी। तय किया था कि दीवार से पहले यूडीए की जमीन है। इसके बाद उस रास्ते की जमीन पर पानी की पाइप लाइन डाली गई। पिछले दिनों वहां पर पत्थर डालकर कुछ लोग आए और अपना निजी भूखंड बताया। कॉलोनी के लोगों का गुस्सा इस बात को लेकर है कि अगर वहां पर निर्माण होता है तो कॉलोनी का रास्ता ही बाधित हो जाएगा।

यूडीए टीम ने बनाई रिपोर्ट

यूडीए की टीम सोमवार दोपहर बाद मौके पर पहुंची। टीम एक बार तो देखकर अचरज में पड़ गई कि सड़क सीमा में भूखंड कैसे। टीम ने वहां पर मौका पर्चा बनाया और आज रिपोर्ट तैयार करेंगे। इसमें यह देखा जाएगा कि यह जमीन यूडीए के नाम पर है या खातेदारी है। रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। टीम को इसी सड़क सीमा में कुछ अतिक्रमण भी मिले जिनका भी रिपोर्ट में मेंशन किया जाएगा।

कॉलोनी के लोगों ने की शिकायत

क्षेत्रवासियों का कहना है कि वे 2000 से यहां रह रहे है और सामने यूडीए के चारदीवारी बनाने के बाद से ही यह सरकारी रास्ते की जमीन बताई गई है। क्षेत्रवासी कालूलाल कुम्हार ने बताया कि मैं 22 साल से यही रहता हूं। यहां पहले यूडीए ने अपनी चारदीवारी बनाई। अब हमारे घरों के सामने पत्थर डाले जा रहे है जबकि ये जमीन चारदीवारी से पहले ही है। यूडीए को साफ करना चाहिए कि यह जमीन किसकी है। मधुबाला ने बताया कि तीन चार दिन से यहां दिन में पत्थर डालकर जा रहे है, ये जमीन यूडीए के आम रास्ते की है या किसी और की ये स्पष्ट तो हो। कॉलोनी में रहने वाले पुष्कर पुष्करना ने बताया कि यहां यूडीए ने चारदीवारी बनाई जिससे साफ हो गया कि आगे की जमीन यूडीए की ही है। उसी जमीन पर पानी की पाइप लाइन भी डाल दी गई। अब यहां अगर कोई निर्माण होता है तो रास्ता भी बाधित हो जाएगा और पानी की पाइप लाइन भी दब जाएगी।

हैड कांस्टेबल ने गुम हुई बहन को ढूंढने के बहाने ताल्लुकात बढ़ाए और कर दिया रेप

शादी का झांसा देकर रेप करने का आरोप, हेड कॉन्स्टेबल ने कहा-महिला मेरी पत्नी

24 न्यूज अपडेट.उदयपुर
desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर। उदयपुर पुलिस के हैड कांस्टेबल पर एक महिला ने रेप का आरोप लगाते हुए हिरण मगरी थाने में मामला दर्ज कराया है। महिला का कहना है कि शादी करने का झांसा देकर हेड कॉन्स्टेबल ने उसके साथ रेप किया। अब मारपीट कर जेवरात और नगदी छीनकर ले गया है। इस मामले में कांस्टेबल का कहना है कि वह महिला उसकी पत्नी है। महिला बताती है कि 27 नवंबर 2022 को उसकी बहन घर से लापता हो गई थी। हिरणमगरी थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। इस मामले में जांच हेड कॉन्स्टेबल दिनेश पटेल को सौंपी गई। उसने जांच के बहाने मोबाइल नंबर लिए और फोन करने लगाव बाद में मैसेज भी भेजने लगा। फिर बहन को ढूंढने के लिए अलग-अलग जगह पर उसको साथ लेकर गया। इस बीच उसने खुद को तलाकशुदा बताकर ताल्लुकात बढाए और पिछले साल जोधपुर के आर्य समाज में शादी कर ली। कोर्ट में विवाह प्रमाण-पत्र भी बनवा लिया व रेप किया। इससे वह चार महीने की गर्भवती हो गई। गर्भवती होने के बाद व ह मारपीट करने लगा व हाल में सोने-चांदी के जेवर और नगदी छीनकर ले गया। इस मामले में यह भी सामने आया है कि दिनेश पटेल की ड्यूटी आतंकी घटना में गला रेतकर मारे गए कन्हैयालाल टेलर के सेक्टर-14 स्थित निवास के बाहर है। इधर हेड कॉन्स्टेबल दिनेश पटेल का कहना है कि महिला उनकी पत्नी है। उसके लाइन में तैनात कॉन्स्टेबल रमेश से अवैध संबंध है। पटेल ने महिला के आरोपों को झूठा करार दिया। इधर, महिला को रमेश ने बहन जैसा बताते हुए आरोपों को गलत बताया है। साथ ही यह भी कहा है कि पटेल तलाकशुदा नहीं है। इस पर भी महिला को झांसा देकर उसने शादी की है।

पुलिस पर सवाल, दो दिन पहले लगे थे पैसे लेकर मारपीट पर आरोप

दो दिन पहले सवीना थाने के एएसआई सहित 3 पुलिसकर्मियों पर भी एक महिला के साथ मारपीट करने और पैसे लेकर छोड़ने के आरोप लगे हैं। इस मामले की जांच एसपी योगेश गोयल ने डिप्टी क्षिप्रा राजावत कर रहे हैं।

बिना घूंघट के सामने आएंगी संदेशखाली की पीड़ित महिलाएं

24 न्यूज अपडेट.उदयपुर
desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट.ब्यूरो। 'संदेशखाली की बहनें इंसाफ की गुहार लगाती रहीं, लेकिन ज्डब् सरकार ने उनकी एक नहीं सुनी। राज्य सरकार तो चाहती ही नहीं थी कि संदेशखाली का गुनहगार कभी गिरफ्तार हो, लेकिन ये तो बंगाल की नारी शक्ति दुर्गा बनकर खड़ी हो गईं। भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता उनके साथ खड़ा हो गया, तब मजबूरन राज्य सरकार को झुकना पड़ा।' पीएम मोदी ने ये बात 2 मार्च को पश्चिम बंगाल के कृष्णनगर में एक रैली के दौरान कही थी। दो दिन के बंगाल दौरे के दौरान उन्होंने बार-बार संदेशखाली का जिक्र किया। प्रधानमंत्री 6 मार्च को फिर बंगाल में होंगे। इस बार उनकी रैली संदेशखाली से करीब 85 किमी दूर नॉर्थ 24 परगना जिले के बारासात में होगी। इस रैली में संदेशखाली की विक्टिम महिलाएं भी शामिल होंगी। सूत्रों के मुताबिक, अब तक घूंघट में दिखने वाली ये महिलाएं पहली बार बिना घूंघट के दिखाई देंगी। 2 मार्च को च्ड मोदी नदिया जिले के कृष्णनगर में थे। उनके साथ पश्चिम बंगाल में पार्टी के सीनियर लीडर शुभेंदु अधिकारी भी मंच पर रहे। शुभेंदु संदेशखाली का दौरा कर चुके हैं। 2 मार्च को च्ड मोदी नदिया जिले के कृष्णनगर में थे। उनके साथ पश्चिम बंगाल में पार्टी के सीनियर लीडर शुभेंदु अधिकारी भी मंच पर रहे। शुभेंदु संदेशखाली का दौरा कर चुके हैं। संदेशखाली का मामला सामने आने के बाद 20 फरवरी को ठश्रच् नेता शुभेंदु अधिकारी विक्टिम महिलाओं से मिले थे। तभी उन्होंने संकेत दिए थे कि प्रधानमंत्री टीमएसी नेता शाहजहां शेख पर रेप और जमीन कब्जाने का आरोप लगाने वाली महिलाओं से मिलने संदेशखाली आ सकते हैं। अब साफ हो गया है कि प्रधानमंत्री संदेशखाली नहीं जाएंगे। नॉर्थ 24 परगना के भाजपा डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट तापस घोष के मुताबिक, संदेशखाली जाने का प्रोग्राम नहीं है। यहां की महिलाओं को बारासात में होने वाली रैली में ले जाने की व्यवस्था की जा रही है। संदेशखाली से 500 से 700 महिलाएं रैली में जाएंगी। सिर्फ संदेशखाली ही नहीं, बल्कि पूरे जिले से महिलाओं को लाने की जिम्मेदारी हमें दी गई है।' लिस्ट में शामिल महिलाएं बारासात में च्ड मोदी से मिलेंगी। उनका स्टेज प्रधानमंत्री के स्टेज के पीछे या उनके करीब वाली जगह पर बनाने की प्लानिंग है। संदेशखाली में मौजूद दैनिक भास्कर के सूत्रों के मुताबिक, अभी इस बारे में उन्हें किसी से बात करने के लिए मना किया गया है, लेकिन हो सकता है कि इनमें से कुछ महिलाएं प्रधानमंत्री के साथ मंच पर भी बैठें। हालांकि, ये अभी तय होना बाकी है। महिलाओं की लिस्ट तैयार कर रहीं एक मेंबर बताती हैं, '28 फरवरी को हमारी गवर्नर से बात हुई थी। उन्होंने हमें सलाह दी कि मेंटल और सेक्शुअल हैरेसमेंट की शिकार 50 महिलाओं की लिस्ट तैयार करो। च्ड मोदी बंगाल दौरे के दौरान इन सभी महिलाओं से मिलेंगे।' शाहजहां शेख के घर रेड डालने गई टीम पर हमले के बाद संदेशखाली चर्चा में आया था। शाहजहां शेख के खिलाफ प्रोटेस्ट की वजह से यहां अब भी फोर्स तैनात है। शाहजहां शेख के घर रेड डालने गई टीम पर हमले के बाद संदेशखाली चर्चा में आया था। शाहजहां शेख के खिलाफ प्रोटेस्ट की वजह से यहां अब भी फोर्स तैनात है। पश्चिम बंगाल के गवर्नर सीवी आनंद बोस 11 फरवरी को संदेशखाली गए थे। वहां वे पीड़ित महिलाओं से मिले और अपना नंबर शेयर करते हुए कहा था कि कोई भी किसी भी वक्त मुझसे बात कर सकता है। संदेशखाली में मौजूद सूत्र बताते हैं कि गवर्नर विक्टिम महिलाओं के कॉन्टैक्ट में हैं और उनके मैसेज का जवाब भी दे रहे हैं।

सोने की कीमत ऑल टाइम हाई, 64,404 रुपए प्रति 10 ग्राम

चांदी भी 72 हजार के पार निकली

24 न्यूज अपडेट.उदयपुर
desk24newsupdate@gmail.com

नई दिल्ली। सोना आज ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, 10 ग्राम सोना 924 रुपए महंगा होकर 64,404 रुपए का हो गया है। इससे पहले 4 दिसंबर को सोने ने अपना ऑल टाइम हाई बनाया था। तब इसकी कीमत 63,805 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। चांदी में भी आज बढ़त देखने को मिल रही है। ये 1,261 रुपए महंगी होकर 72,038 रुपए प्रति किलो ग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले ये 70,777 रुपए पर थी। चांदी ने भी बीते साल 4 दिसंबर को ही ऑलटाइम हाई बनाया था। चांदी 77 हजार के पार पहुंच गई थी।

सोने में तेजी के 4 कारण

2024 में दुनियाभर में मंदी की आशंका
शादी के सीजन से सोने की डिमांड बढ़ी
डॉलर इंडेक्स में कमजोरी आई हैदुनियाभर के केंद्रीय बैंक सोना खरीद रहे
फरवरी में सोने में रही थी गिरावट
फरवरी में सोने-चांदी के दामों में गिरावट देखने को मिली थी। महीने की शुरुआत यानी 1 फरवरी को सोना 62,775 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो 29 फरवरी को 62,241 रुपए पर आ गया था। यानी बीते महीने में इसकी कीमत में 534 रुपए प्रति 10 ग्राम की गिरावट आई। वहीं चांदी भी 71,153 रुपए प्रति किलोग्राम से गिरकर 69,312 रुपए पर आ गई थी।

जीवन बचाने के लिए हर समय मौजूद रहती है कृष्णा कल्याण संस्थान की टीम

24 न्यूज अपडेट.उदयपुर
desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर ! कृष्णा कल्याण संस्थान के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज चौधरी ने बताया कि उदयपुर के सेक्टर 6 सेटेलाइट हॉस्पिटल में देऊ बाई इमरजेंसी में एडमिट है जिनको लगातार 3 दिन से रक्त की आवश्यकता पड़ रही है इस गंभीर समस्या को देखते हुए संस्थान की टीम वहां पर पहुंची व विनोद सरगना ने रक्तदान किया विनोद ने बताया कि रक्तदान सबसे बड़ी समाज सेवा है इसके लिए युवाओं को आगे आना चाहिए युवा पीढ़ी नेक पहल से जुड़कर किसी के जीवन में खुशियों की धारा ला सकती है इसलिए जरूरी है कि हर तीन माह में एक बार रक्तदान करें

24 न्यूज अपटेड

देश-दुनिया राज्यों एवं स्थानीय खबरें को देखने के लिए
हिन्दी समाचार पत्र एवं न्यूज़ चैनल

ताजा खबरें देखने के लिए
हमारे यूट्यूब चैनल को सबस्क्राइब करें

YouTube

24 NEWS UPDATE

हमारे फेसबुक पेज को फॉलो करें

लिंक पर क्लिक करें और हमारे चैनल को लाइक और सब्सक्राइब करें

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।